

आपका नया बच्चा

Your New Baby

As a new parent, you may have questions about your baby. Below are some common physical features and behaviors you may notice in your baby soon after birth.

Sleep and Wake Cycles

For the first few hours after birth, babies are usually active and awake. Then they become sleepy for the next 12 to 24 hours. Expect your baby to sleep 16 to 20 hours a day, and not on any set schedule. Babies wake often at night for feedings.

Head

Your baby's head may look large and misshaped from the birth process. This will slowly correct itself in about a week. Babies have two soft spots on the head. These soft spots will slowly close and do not need any special care.

Eyes

Babies see best at a distance of 8 to 10 inches. Your baby's eye color changes after birth. Most babies have their permanent color by 1 year of age. It is normal for your baby's eyes to be swollen, have red spots in the white part of the eyes or look cross-eyed. These conditions will most often go away.

नए माता-पिता के रूप में, अपने बच्चे के बारे में आपके कुछ सवाल हो सकते हैं। नीचे कुछ सामान्य शारीरिक विशेषताएँ और व्यवहार दिए गए हैं जिन्हें आप अपने शिशु के जन्म के तुरंत बाद उसमें देख सकते हैं।

सोने और जागने के चक्र

जन्म के बाद पहले कुछ घंटों में शिशु आमतौर पर सक्रिय और जागे रहते हैं। इसके बाद वे अगले 12-24 घंटों तक नींद में रहते हैं। मान कर चलिए कि आपका शिशु प्रतिदिन 16-20 घंटे सोएगा, और इसका कोई नियत समय नहीं होगा। शिशु रात को अनेक बार दूध पीने के लिए जाग जाते हैं।

सिर

आपके शिशु का सिर जन्म प्रक्रिया से बड़ा या बेडौल दिख सकता है। यह धीरे-धीरे, लगभग एक सप्ताह में, अपने आप ही ठीक हो जाएगा। शिशुओं के सिर पर दो नरम स्थल होते हैं। ये नरम स्थल धीरे-धीरे बंद हो जायेंगे और इनके लिए किसी विशेष देखभाल की जरूरत नहीं होती।

आँखें

शिशु 8-10 इंच की दूरी तक ही सबसे अच्छी तरह देखते हैं। जन्म के बाद आपके शिशु की आँखों का रंग बदल जाता है। 1 वर्ष की आयु तक अधिकांश शिशुओं का अपना स्थायी रंग होता है। आपकी शिशु की आँखों में सूजन, आँखों के सफेद हिस्से में लाल धब्बे होना या आँखों का भैंगा दिखना सामान्य है। ये स्थितियां अधिकांशतः स्वयं ही ठीक हो जाएंगी।

Breasts and Genitals

It is normal for babies' breasts and genitals to look swollen. This will slowly go away. The baby's breasts may have a small amount of milk-like fluid coming out of them that will slowly go away. It is normal for baby girls to have a small amount of clear, white or blood-tinged vaginal discharge and mucus for several days after birth.

Skin

The lips and the area inside the mouth should be pink.

- If you notice any blueness around your baby's mouth and your baby is not alert or able to respond to you, **call 911**.
- If your baby develops skin blisters filled with fluid or pus, **call your baby's doctor** to have your baby checked for an infection, especially if there is also a cough, fever or poor feeding.

These skin conditions may be seen and will often go away without treatment:

- Patches of red skin seen on the eyelids, forehead or back of the neck.
- Bluish-gray spots found on the back and buttocks that often fade over a period of months or years.
- Fine, white bumps that are not blisters over a red background. This does not need any creams or lotions.
- Tiny white dots that appear on the face. Do not squeeze them.
- Dry peeling skin or cracking around the wrists or ankles. As the dry skin flakes off, new soft skin will appear.

छाती और जननांग

शिशु की छाती और जननांगों का सूजा हुआ दिखना सामान्य बात है। यह धीरे-धीरे ठीक हो जाएगा। शिशु के स्तनों से थोड़ा-सा दूध जैसा द्रव बाहर निकल सकता है जो धीरे-धीरे ठीक हो जाएगा। लड़कियों में जन्म के कई दिन बाद तक योनि से थोड़ा रक्तिम स्राव और चिपचिपे पदार्थ का निकलना सामान्य बात है।

त्वचा

होंठ और मुँह के भीतर का हिस्सा गुलाबी होना चाहिए।

- यदि आपको अपने शिशु के मुँह के इर्द-गिर्द नीलापन दिखता है और आपका बच्चा सजग न हो या प्रतिक्रिया देने में असमर्थ हो, तो **911** को फोन करें।
- यदि आपके शिशु की त्वचा में द्रव या मवाद भरे छाले निकलते हैं, तो अपने बच्चे में संक्रमण की जांच कराने के लिए अपने बच्चे के डाक्टर को फोन करें, खास तौर पर तब, जब उसे खाँसी, बुखार भी हो या वह बहुत कम दूध पी रहा हो।

त्वचा-संबंधी निम्न स्थितियां भी दिख सकती हैं और ये बिना किसी उपचार के स्वतः ही ठीक हो जाएंगी:

- पलकों, ललाट या गर्दन के पीछे त्वचा पर लाल धब्बे होना।
- पीठ और नितंब पर नीले-सफेद धब्बे, जो प्रायः कुछ महीनों या वर्षों में धुंधले पड़ जाते हैं।
- लाल पृष्ठभूमि पर छोटे-छोटे सफेद दाने जो छाले न हों। इनके लिए किसी क्रीम या लोशन की जरूरत नहीं होती।
- चेहरे पर उभर आने वाले छोटे-छोटे सफेद बिंदु। इन्हें दबाएं नहीं।
- सूखी पपड़ीदार त्वचा या कलाइयों अथवा एड़ियों की त्वचा का फटना। सूखी त्वचा के झड़ने पर, नई कोमल त्वचा दिखने लगेगी।

- Fine, downy hair seen on the back, arms and ears.

Creamy, white substance that may be on the skin at birth and stay in skin folds for the first few days after birth.

Jaundice

Jaundice is a yellow color of the skin and eyes. It often goes away in 1 to 2 weeks. In the hospital, a small sample of your baby's blood may be tested to check the amount of jaundice.

Call your baby's doctor if:

- Your baby's abdomen, legs and arms are yellow.
- Your baby's whites of the eyes are yellow.
- Your baby is yellow and your baby is hard to wake, is fussy or not feeding.

Coughing, Sneezing, and Hiccups

Coughing and sneezing at times is normal. It does not mean the baby is ill unless there is a yellowish or greenish discharge from the nose or other symptoms. New babies often hiccup during or after eating.

Choking

Babies can choke when held too flat when eating. When feeding, hold your baby's head upright and never prop up a bottle. If your baby chokes, coughs or spits up, stop the feeding, sit him up or hold him over on his side. Pat his back gently until the choking stops then start the feeding again. New parents should take an infant CPR class.

- पीठ, बाँह और कानों पर महीन रोएँ दिखते हैं।

जन्म के समय त्वचा पर क्रीम जैसा, सफेद पदार्थ हो सकता है और जन्म के बाद के पहले कुछ दिनों तक त्वचा की परतों में रह सकता है।

पीलिया

पीलिया में त्वचा और आंखों का रंग पीला हो जाता है। यह अक्सर 1-2 सप्ताह में ठीक हो जाता है। पीलिया की मात्रा की जांच करने के लिए अस्पताल में आपके शिशु के रक्त का एक छोटा-सा नमूना लिया जा सकता है।

अपने बच्चे के डाक्टर को फोन करें, यदि:

- आपके शिशु का पेट, पैर और बाहें पीली हों।
- आपके शिशु की आंखों के सफेद हिस्से पीले हों।
- आपका शिशु का रंग पीला हो और उसे जगाने में मुश्किल होती हो, वह चिड़चिड़ा हो या दूध नहीं पीता हो।

खाँसी, छींक और हिचकी आना

कभी-कभी में खाँसी या छींक आना सामान्य होता है। इसका मतलब यह नहीं कि शिशु बीमार है, बर्शर्ट कि उसकी नाक से पीला-सा या हरा-सा स्राव न हो रहा हो या अन्य कोई लक्षण न हों। नवजात शिशु अक्सर ही दूध पीने के दौरान या इसके बाद हिचकी लेते हैं।

गले में कुछ फंसना

दूध पीते समय शिशु को बिल्कुल सीधा लिटाने पर उसके गले में कुछ फंस सकता है। दूध पिलाते समय, अपने शिशु का सिर ऊपर की ओर रखें और बोतल को बिना सहारे के कभी भी नहीं छोड़ें। यदि आपके शिशु के गले में कुछ फंसता है, खाँसी आती है या वह दूध बाहर निकाल देता है, तो दूध पिलाना रोक दें, उसे सीधा बिठाएँ या उसे एक तरफ से पकड़ें। जब तक गला खुल न जाए तब तक धीरे-धीरे थपकी देते रहें और इसके बाद ही फिर से दूध पिलाना शुरू करें। नए माता-पिता को शिशु सीपीआर (CPR) कक्षा में भाग लेना चाहिए।

Senses

Babies are always growing and learning about the world around them. Babies like being held, rocked, stroked and carried. A sturdy but gentle touch can help them feel secure and calm. Babies love to hear you talk to them and will listen to your voice and other sounds. Babies have a good sense of smell. They can smell breast milk or formula. Babies can follow slow moving objects and can focus on things up to eight inches away.

Reflexes

Several reflexes are present at birth.

- There is a **startle reflex** where the baby throws out his arms then brings them back to the middle of his body when he hears a loud noise or is suddenly moved.
- The **sucking reflex** should be strong and vigorous.
- The **rooting reflex** is when the baby turns his head toward the breast or nipple and may also open his mouth.
- The **stepping reflex** is when the baby makes a stepping movement when held in a standing position.
- The **grasping reflex** is when the baby will hold on tightly to an object placed in the baby's palm.

Talk to your baby's doctor or nurse if you have any questions or concerns.

इंद्रियाँ

शिशु हमेशा बढ़ते रहते हैं और अपने आस-पास की दुनिया के बारे में जानते-सीखते रहते हैं। शिशुओं को पकड़ा जाना, झुलाया जाना, थपकी देना या घुमाया जाना पसंद होता है। शिशुओं को अच्छी तरह पर धीरे-से स्पर्श करना, उन्हें सुरक्षा और शांति का अहसास देता है। शिशुओं को आप द्वारा उनसे की जाने वाली बातें सुनना बहुत पसंद होता है और वे आपकी आवाज और अन्य ध्वनियाँ सुनेंगे। शिशुओं के सूंधने की क्षमता अच्छी होती है। वे स्तन या फार्मूला वाले दूध की गंध सूंध सकते हैं। शिशु धीरे-धीरे चलती या हिलती-डिलुती वस्तुओं का चलना या हिलना देख सकते हैं और आठ इंच तक की दूरी वाली चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

रिफ्लेक्स (सहज प्रतिवर्ती क्रिया)

जन्म के समय कुछ प्रतिवर्ती क्रियाएं मौजूद रहती हैं।

- यह एक ऐसा चौंकने की प्रतिवर्ती क्रिया है, जिसमें कोई शिशु जब तेज़ शोर सुनता है, या उसे अचानक हिलाया/हटाया जाता है, तो वह अपनी बाहों को बाहर की ओर फेंकता है और फिर शरीर के बीच में लाता है।
- चूँसने की प्रतिवर्ती क्रिया बहुत तीव्र और उत्साहपूर्ण होनी चाहिए।
- स्थिर होने की प्रतिवर्ती क्रिया तब होती है जब शिशु अपना सिर स्तन या निपल की ओर घुमाता है और साथ ही वह अपना मुँह भी खोल सकता है।
- कदम बढ़ाने की प्रतिवर्ती क्रिया तब होती है जब शिशु को सीधी अवस्था में खड़ा किया जाने पर वह पैर बढ़ाने की गति करता है।
- पकड़ने की प्रतिवर्ती क्रिया तब होती है जब शिशु अपनी हथेली में रखी किसी वस्तु को कसकर पकड़ लेता है।

यदि आपके कोई प्रश्न या चिंताएं हों तो अपने शिशु के डाक्टर या नर्स से बात करें।